एम. एच. डी.–11
हिन्दी कहानी
सत्रीय कार्य
(सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–11
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–11 / टी.एम.ए. / 2025–2026
कुल अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए: 10x2=20

(क) एक तो पीठ में गुदगुदी लग रही है। दूसरे रह–रहकर चम्पा का फूल खिल जाता है उसकी गाड़ी में। बैलों को डाँटो तो 'इस–बिस' करने लगती है उसकी सवारी।.....उसकी सवारी! औरत अकेली, तम्बाकू बेचनेवाली बूढ़ी नहीं! आवाज सुनने के बाद वह बार–बार मुड़कर टप्पर में एक नज़र डाल देता है; अँगोछे से पीठ झाड़ता है।....भगवान जाने क्या लिखा है इस बार उसकी किस्मत में! गाड़ी जब पूरब की ओर मुड़ी, एक टुकड़ा चाँदनी उसकी गाड़ी में समा गयी। सवारी की नाक पर एक जुगनू जगमगा उठा। हिरामन को सबकुछ रहस्यमय–अजगुत–अजगुत–लग रहा है। सामने चम्पानगर से सिंधिया गाँव तक फैला हुआ मैदान!....कहीं डाकिन–पिशाचिन तो नहीं?

(ख) कुछ दिनों से शकलदीप बाबू सायंकाल घर से लगभग एक मील की दूरी पर स्थित शिवजी के एक मंदिर में भी जाने लगे थे। वह बहुत चलता मंदिर था और उसमें भक्तजनों की बहुत भीड़ होती थी। कचहरी से आने के बाद वह नारायण के कमरे को झाड़ते– बुहारते, उसका बिछौना लगाते, मेज–कुर्सियां सजाते और अंत में नाश्ता करके मंदिर के लिए रवाना हो जाते। मंदिर में एक–डेढ़ घंटे तक रहते और लगभव दस बजे घर आते।

एक दिन जब वे मंदिर से लौटे, तो साढ़े दस बज गए थे। उन्होंने दबे पांव ओसारे में पांव रखा और अपनी आदत के अनुसार कुछ देर मुस्कराते हुए झांक–झांककर कोठरी में नारायण को पढ़ते हुए देखते रहे।

(ग) मैं सड़क पार कर लेता हूँ। जंगली, बेमहक लेकिन खूबसूरत विदेशी फूलों के नीचे ठहर–सा जाता हूँ कि जो फूल, भीत के पासवाले अहाते की आदमक़द दीवार के ऊपर फैल, सड़क के बाजू पर बाँहें बिछाकर झुक गये हैं। पता नहीं कैसे, किस साहस से व क्यों, उसी अहाते के पास बिजली का ऊँचा खम्भा–जो पाँच–छह दिशाओं में जानेवाली सूनी सड़कों पर तारों की सीधी लकीरें भेज रहा है– मुझे दीखता है और एकाएक ख्याल आता है कि दुमंजिला मकानों पर चढ़ने की एक ऊँची निसैनी उसी से टिकी हुई है। शायद ऐसे मकानों की लम्ब–तड़ंग भीतों की रचना अभी भी पुराने ढंग से होती है।

2. ग्राम संवेदना और आंचलिकता के संदर्भ में नई कहानी आंदोलन पर विचार कीजिए। **16**

3. 'डिप्टी कलेक्टरी' कहानी की अंर्तवस्तु को स्पष्ट कीजिए। **16**

4. 'बद्‌बू' कहानी का विश्लेषण और मूल्यांकन कीजिए। **16**

5. 'यही सच है' कहानी की कथा–वस्तु का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए। **16**

6. 'तलाश' कहानी का मूल्यांकन करते हुए उसका महत्व निर्धारित कीजिए। **16**